HRA की राजपश्र The Gazette of India

प्राधिकार संप्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 17, 1981 (आश्विन 25, 1903)

No. 271

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1981 (ASVINA 25, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it May be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 3 [PART III—SECTION 3]

लघु त्रशासनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं [Notifications relating to Minor Administrations]

प्रपत्न "सी"

(प्रारम्भिक प्रधिसूचुना)

ग्रणासन, संघ भासित प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली, सिलवास ।

भूमि-म्रर्जन म्रधिनियम 1894 (1894 की संख्या-।) । ग्राम खरड्पाड़ा,

सिलवास, दिनांक 2 जुलाई 1981

डी० सी० एल० आर०/एस० आर० वी० खरड्याड़ा/77/81—प्रशासन, संघ शासित प्रवेश, दादरा एवं नगर हवेली को ऐसा प्रतीत होता है कि यहां अनुसूची में उल्लिखित भूमि, सार्वजनिक प्रयोजन श्रर्थात, एल० बी०एम०सी० ग्राम खरड़पाड़ा, तालुका दादरा एवं नगर हवेली।

भूमि-धर्जन अधिनियम, 1894 (1894 की सं०-1) की धारा-4 के उपबन्धों के तहत, एतदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उपरोक्तलिखित प्रयोजन के लिए उक्त भूमि सम्भवतः आवश्यक है।

उंक्त भूमि में रुचि एखने वाले सभी व्यक्तियों को चेतावनी दी जाती है, कि वे किसी भी सर्वेक्षक ग्रंथवा उक्त 1—288GI/81 भूमि के पर उक्त भ्रर्जन के लिए नियुक्त व्यक्तियों के कार्यों में न तो बाधा उत्पन्न करें भ्रौर न ही किसी प्रकार का हस्तक्षेप करें।

विकय, पट्टा, गिरवी सौपना, विनियम ग्रथवा किसी भी तरह उक्त भूमि का निपटारा ग्रथवा उस पर कोई व्यय ग्रथवा उसम कोई सुधारों की संविदा इस ग्रधिसूचना की तारीख के बाद, विना समाहर्त्ता की मंजूरी के उक्त ग्रधिनियम की धारा-24 (सातवीं वार) के तहत, उक्त भूमि के प्रतिकर को निर्धारित करने वाले ग्रधिकारी द्वारा उपेक्षा ग्रथवा ही श्रवहेलना कर दी जाएगी चिक ग्रतंनः उक्त भूमि को ग्रजित किया जाना है।

यवि प्रशासन, दादरा एवं नगर हवेली इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए उक्स भूमि धावश्यक है तो इस उद्देश्य की अन्तिम अधिसूचना, उक्त अधिनियम की धारा-6 के तहत, भारत के राजपन्न में प्रकाशन के लिए, यथासमय दे दी जाएगी। यदि अर्जन का पूर्णतया यह इसके किसी भाग का परित्याग किया जाता है तो इससे सम्बन्धित तथ्य भारत भरकार के राजपन्न में अधिसूचित कर दिया जाएगा।